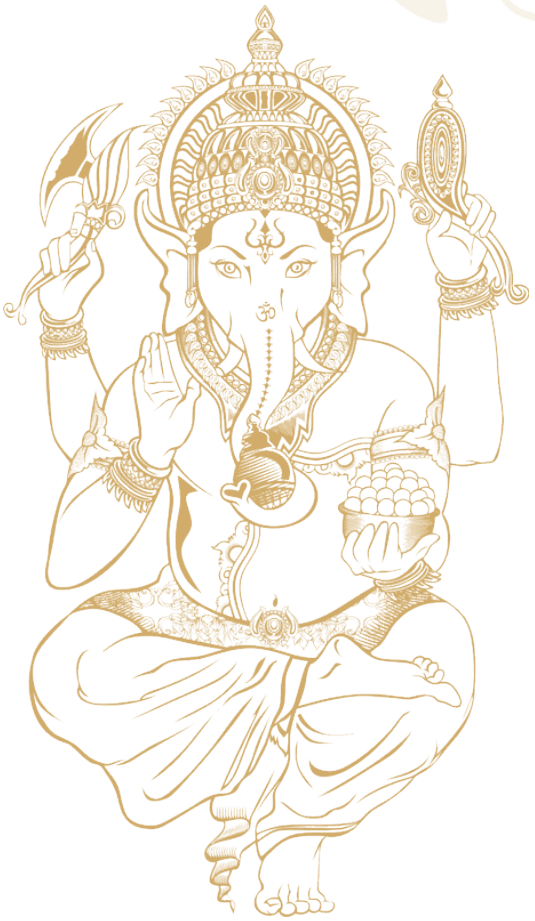

A

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121191902

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
10/10/1995	जन्म तिथि	1-02/08/1999
मंगलवार	दिन	रवि-सोमवार
घंटे 10:30:00	जन्म समय	00:02:00 घंटे
घटी 11:30:16	जन्म समय(घटी)	46:33:08 घटी
India	देश	India
Varanasi	स्थान	Ghazipur
25:20:00 उत्तर	अक्षांश	25:36:00 उत्तर
83:00:00 पूर्व	रेखांश	83:36:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:02:00	स्थानिक संस्कार	00:04:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:53:53	सूर्योदय	05:21:54
17:37:10	सूर्यास्त	18:41:33
23:48:00	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:53

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
केतु 1वर्ष 3मा 10दि	22:18:06	वृश्चि	लग्न	मेष	29:19:39	शनि 13वर्ष 6मा 27दि
चन्द्र	22:37:16	कन्या	सूर्य	कर्क	15:13:11	बुध
19/01/2023	10:53:52	मेष	चंद्र	मीन	07:08:22	27/02/2013
19/01/2033	28:38:25	तुला	मंगल	तुला	17:53:52	27/02/2030
चन्द्र 20/11/2023	12:30:51	कन्या व	बुध व	कर्क	05:41:49	बुध 27/07/2015
मंगल 20/06/2024	18:09:09	वृश्चि	गुरु	मेष	10:15:20	केतु 23/07/2016
राहु 20/12/2025	06:03:17	तुला	शुक्र व	सिंह	11:08:22	शुक्र 24/05/2019
गुरु 21/04/2027	25:40:45	कुंभ व	शनि	मेष	22:38:08	सूर्य 29/03/2020
शनि 19/11/2028	02:39:51	तुला	राहु	कर्क	19:05:53	चन्द्र 29/08/2021
बुध 21/04/2030	02:39:51	मेष	केतु	मक	19:05:53	मंगल 26/08/2022
केतु 20/11/2030	02:43:54	मक	हर्ष व	मक	21:12:26	राहु 14/03/2025
शुक्र 20/07/2032	28:58:53	धनु	नेप व	मक	08:57:19	गुरु 20/06/2027
सूर्य 19/01/2033	05:03:56	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	13:58:14	शनि 27/02/2030

लग्न-चलित

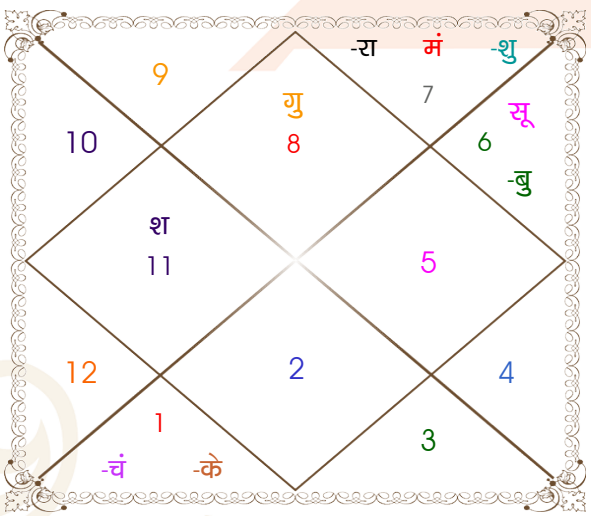

लग्न-चलित

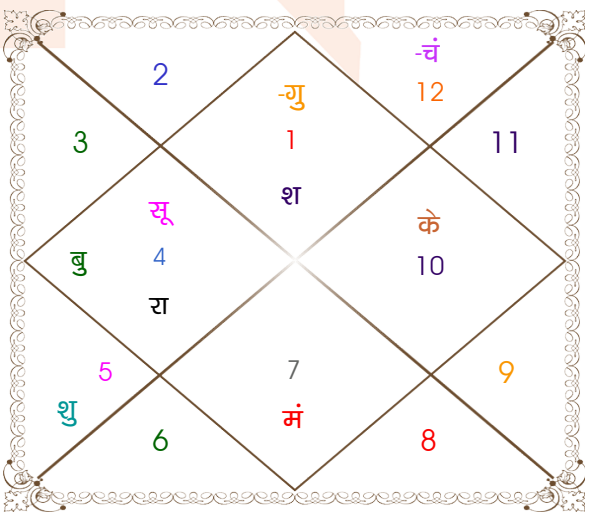

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	अश्व	गौ	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	मीन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	24.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Mr. का वर्ग मृग है तथा A का वर्ग सर्प हैA इन दोनों वर्गों में परस्पर सम हैA

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और A का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में द्वादश भाव में तुला राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Mr. कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता हैA

A मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि A कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Mr. तथा A में मंगलीक मिलान ठीक हैA

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।